प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 02.09.2026 समय : 09:00 ए.एम.

00000

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे।
- प्रदेश में नगर निकाय चुनाव की तैयारियां जोरों पर–प्रत्याशियों की सक्रियता बढी–मतदान के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वीप गतिविधियों में तेजी।
- मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाये जायेंगे।
- राजस्थान पुलिस सितम्बर को साईबर सुरक्षित राजस्थान जनजागरूकता माह के रूप में मनायेंगी।

00000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कल से शुरू हुए दो दिन के इस शिखर सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकारों के राजनीतिक नेतृत्व तथा वरिष्ठ अधिकारी जल सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विचार–विमर्श कर रहे हैं। साथ ही जल अवसंरचना परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन, जल संचय–जन भागीदारी और जल जीवन मिशन–दो के तहत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव पर चर्चा की जा रही है। सम्मेलन में इन क्षेत्रों के लिए समयबद्ध कार्ययोजनाएं तैयार की जा रही हैं। यह 'टीम इंडिया' की भावना को मजबूत करने के लिए आयोजित होने वाले विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का पहला सम्मेलन है।

00000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, सोने की अनावश्यक खरीद और विदेशों में शादी–ब्याह करने से बचने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में लोगों से कहा है कि वे विदेशों में छुट्टियां मनाने, दूसरे देशों में जाकर शादी–ब्याह करने और आवश्यक न हो तो सोने की खरीददारी करने से परहेज करे। उन्होंने देशवासियों को सात दशमलव आठ प्रतिशत आर्थिक विकास दर हासिल करने पर बधाई दी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर अधिक बल देने की आवश्यकता बताई।

0000

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए भरे गये नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब तक 7 हजार 800 से अधिक नामांकन खारिज किये गये है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार 10 हजार 245 वार्डो के लिए 69 हजार से अधिक नाम निर्देशन पत्र भरे गये थे। कल दोपहर तक नाम वापस लिये जा सकते है। इसके बाद ही प्रत्याशियों की अंतिम संख्या और सूची स्पष्ट होगी। आयोग की ओर से चुनाव चिन्ह आंवटित किये जायेंगे। इस बीच निकाय चुनाव प्रकिया को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न तैयारियां की जा रही है। ईवीएम के आवंटन और चुनाव प्रचार के लिए वाहनों की अनुमति की प्रक्रिया जारी है। जयपुर में नगरीय निकाय चुनाव के लिए ईवीएम मशीनों का पहला और दूसरा रेंडमाइजेशन किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जिले के 690 वार्डों के 2 हजार 821 मतदान केंद्रों के लिए रिजर्व सहित 3 हजार 392 बैलेट यूनिट और इतनी ही कंट्रोल यूनिट आवंटित की गई हैं। रेंडमाइजेशन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। सवाईमाधोपुर में चुनाव के दौरान पेडन्यूज को लेकर जिलास्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है। वहीं प्रदेशभर में निकाय चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए स्वीप गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कडी में आज जयपुर में रैली निकाली जा रही है। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की ओर से आयोजित इस रैली में स्काउट्स और रोवर्स शामिल हो रहे है। रैली के माध्यम से विशेष रूप से युवा मतदाताओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक किया जाएगा। भरतपुर में मतदाता संवाद और दिव्यांग वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में दिव्यांग मतदाताओं ने भाग लिया और लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। कोटपूतली के गंगासागर तालाब पर दीपोत्सव के जरिये मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।

000000

प्रदेश में मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाये जायेंगे। ये कन्ट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम करेंगे। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम और समय पर उपचार के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी की जा रही है। स्वाइन फ्लू के साथ मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और स्क्रब टाइफस की खास मोनिटरिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बीमारी फैलने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए सभी स्तरों पर रैपिड रेस्पॉन्स टीमों का गठन किया जाएगा।

अधिकारियों को स्वाइन फ्लू को देखते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। प्रभावित क्षेत्रों में घर–घर सर्वे और मच्छर नियंत्रण गतिविधियां जारी रखने तथा अस्पतालों में जरूरत के अनुसार बिस्तर आरक्षित रखने को कहा गया है।

0000

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने राजस्थान में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से जुड़े मामलों की 'केस रिव्यू प्रणाली' को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट प्रैक्टिस बताया है। आयोग ने इस पारदर्शी व्यवस्था को आदर्श मॉडल बताते हुए अन्य राज्यों में भी अपनाने पर जोर दिया। आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने जयपुर में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ बैठक के दौरान इस व्यवस्था की सराहना की। व्यवस्था के तहत बंद किए गए मामलों में से 20 प्रतिशत तक मामलों की उच्च स्तर पर दोबारा समीक्षा की जाती है। जांच में कमी या लापरवाही मिलने पर मामला फिर खोला जाता है और संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। बैठक में बताया गया कि प्रभावी निगरानी से एससी और एसटी अत्याचार के मामलों में कमी आई है।

0000

राजस्थान पुलिस सितंबर माह को 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' जन–जागरूकता माह के रूप में मनाएगी। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के निर्देशानुसार इस दौरान प्रदेशभर में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए राज्य और जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। अभियान के तहत वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स को डिजिटल अरेस्ट तथा निवेश के नाम पर होने वाली ठगी से बचाव की जानकारी दी जाएगी। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रश्नोत्तरी और अन्य कार्यक्रम होंगे। इस बीच पुलिस ने फर्जी और अश्लील ऐप के जरिए होने वाली साइबर ठगी को लेकर आमजन को सावधान किया है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर अश्लील विज्ञापन और लिंक भेजकर लोगों से संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। पुलिस ने अज्ञात लिंक से एपीके डाउनलोड नहीं करने और ऐप केवल विश्वसनीय स्रोत से ही डाउनलोड करने की सलाह दी है।

0000

प्रदेश में सड़क हादसों में जनहानि कम करने के लिए जयपुर रेंज पुलिस ने 'ऑपरेशन सेफर रोड' के तहत दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को गूगल मैप्स से जोड़ा है। पुलिस के अनुसार यह देश में पहली बार किया गया डिजिटल नवाचार है। इसका उद्देश्य वाहन चालकों को दुर्घटना संभावित स्थानों के बारे में पहले से सचेत करना और सड़क हादसों को रोकने में मदद करना है। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट को गूगल मैप्स से जोड़ा गया है। अब इन मार्गों पर गूगल मैप्स से नेविगेशन करते हुए जब कोई वाहन चालक चिन्हित ब्लैक स्पॉट के करीब पहुंचेगा, तो उसे सड़क सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिलेगा।

00000